डाक पंजीयन क्रमांक-म.प्र./भोपाल/357/2015-17

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

● वर्ष 60 ● अंक 20 ● भोपाल ● 16-31 मार्च, 2017 ● पृष्ठ 8 ● एक प्रति 7 रु. ● वार्षिक शुल्क 150/- ● आजीवन शुल्क 1500/-

सेवा दिवस पर साख समितियों, बैंकों और कार्यालयों में स्वच्छता अभियान की शुरूआत

राज्य मंत्री श्री सारंग ने पर्यावरण, कैशलेस और किसानों की आय दोगुना करने की दिलायी शपथ

भोपाल मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के जन्म-दिन सेवा दिवस पर प्रदेश की 4500 सहकारी साख समितियों, 38 जिला सहकारी बैंक और सहकारिता विभाग के मुख्यालय सहित सभी 51 जिले के कार्यालयों में स्वच्छता और वृक्षारोपण के अभियान की शुरूआत हुई। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने अपेक्स बैंक, राज्य उपभोक्ता संघ और सहकारिता विभाग के कार्यालय से इस अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर सहकारिता आयुक्त श्री कवीन्द्र कियावत, उप सचिव सहकारिता श्री प्रकाश खरे और अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा उपस्थित थे।

राज्य मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शीर्ष पद पर रहते हुए सेवा को ही अपना उद्देश्य बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत-स्वच्छ मध्यप्रदेश का जो अभियान चलाया है, उसे सहकारिता विभाग ने आत्मसात करने का निर्णय लिया है। स्वच्छ शरीर और स्वस्थ्य मानसिकता से सकारात्मक सोच बनती है। उन्होंने कहा कि आज के दिन सभी सहकारी संस्थाओं, समितियों और सहकारिता विभाग के कार्यालयों में वृक्षारोपण किया जायेगा। स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। राज्य मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता विभाग के मुख्यालय में पहुँचकर साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

राज्य मंत्री श्री सारंग ने अपेक्स बैंक में स्वयं झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की शुरूआत की। उन्होंने आम और अमरूद का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर आयुक्त सहकारिता श्री कवीन्द्र कियावत उपस्थित थे।

श्री सारंग ने राज्य उपभोक्ता संघ के कार्यालय में आटा चक्की मशीन का शुभारंभ किया। आज से आम उपभोक्ताओं को सभी प्रियदर्शनी सुपर बाजार में मल्टी ग्रेन सहित रोज उपयोग में आने वाला आटा उपलब्ध होगा।

श्री सारंग ने सभी कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन, किसानों की आय दोगुनी करने, साफ-सफाई रखने, सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में सहभागी बनने और कैशलेस व्यवहार की शपथ दिलवाई।

राज्य सहकारी संघ में वृक्षारोपण

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ परिसर में 5 मार्च 2017 को सेवा दिवस के अवसर पर प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने वृक्षारोपण किया तथा कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा कार्यालय में सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उर्वरक/खाद के क्रय मूल्य एवं प्रदाय के लिये समन्वय समिति

भोपाल। राज्य शासन ने रसायनिक उर्वरक/खाद के क्रय मूल्य एवं प्रदाय को निर्धारित करने के लिये समन्वय समिति गठित की है। समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त होंगे। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ होंगे। प्रबंध संचालक राज्य कृषि उद्योग विकास निगम, प्रबंध संचालक रा%य सहकारी बैंक, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी समितियाँ का एक प्रतिनिधि, संचालक किसान-कल्याण तथा कृषि विकास या उनका प्रतिनिधि सदस्य होंगे। समिति उर्वरकों की प्राप्त निविदाओं के आधार पर क्रय मूल्य का निर्धारण एवं प्रदाय की शर्तों को अंतिम रूप देगी।

श्री सारंग का नरसिंहपुर में स्वागत

नरसिंहपुर। सहकारिता, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग अल्प प्रवास पर नरसिंहपुर आगमन हुआ। यहां टट्टा पुल के समीप ग्रामीणजनों, जनप्रतिनिधियों ने श्री सारंग का स्वागत किया। राज्यमंत्री श्री सारंग ने लोगों से आवेदन लिये। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र फौजदार, एसडीएम श्री जीएस धुर्वे, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक श्री आरएम मिश्रा, श्री विक्रांत पटैल, श्री नीरज महाराज, श्री बंटी सलूजा, श्री सुनील कोठारी, जनप्रतिनिधि, अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

नवाचार से प्रदेश की सहकारिता को मिलेगी नयी दिशा

विभागीय अधिकारियों को नवाचार पर भोपाल में प्रशिक्षण

भोपाल। अन्य प्रदेशों की नवाचार की सफल सहकारी संस्थाओं की तर्ज पर प्रदेश में भी सहकारी संस्थाओं का गठन किया जा रहा है जिससे एक ओर जहां रोजगार सृजन होगा वही सहकारिता एक सेवा के माध्यम के रूप में स्थापित होगी। नवाचार की सहकारी संस्थाओं के गठन तथा आमजन को इनसे कैसे जोड़े इस पर म.प्र. राज्य सहकारी संघ मुख्यालय में एक दिवसी सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें सहकारिता विभाग के वरिष्ठ सहकारी निरीक्षकों ने भाग लिया। श्री प्रेम द्विवेदी, उपायुक्त, सहकारिता नवाचार मुख्यालय ने प्रशिक्षणार्थियों को नवाचार की सहकारी संस्थओं के गठन की प्रक्रिया, लाभ तथा अन्य प्ररदेशों की सफलता की कहानियों का जिक्र किया। म.प्र. राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने नवाचार की आवश्यकता तथा प्रदेश की पहल तथा इनके लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अतिथि वक्ता श्री पृथ्वीराज सिंहा ने संदेश का संचार कैसे करें ताकि आप अपनी बात सहज/सरल ढंग से दूसरों को पहुंचा सके और उससे लाभांवित हो सके, पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री ए.के. जोशी ने किया। समन्वयक श्रीमती रेखा पिप्पल थी।

वसूली प्रबंधन व आडिट पर प्रशिक्षण सम्पन्न

रतलाम। म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, रतलाम के संयुक्त तत्वावधान में वसूली प्रबंधन विषय पर दिनांक 8 मार्च को प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ जिला सहकारी केन्द्रीय के सहायक प्रबंधक शैलेष खरे द्वारा किया गया।

कार्यक्रम प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिरूद्ध शर्मा ने कहा कि रतलाम जिला प्रेश में वसूली के मामले में अव्वल है। साख आंदोलन में ऋण वसूली सबसे प्रमुख है। यदि कोई संस्था वसूली में पिछड़ती है तो उसकी आर्थिक स्थिति निश्चित रूप से खराब होगी। श्री शर्मा ने सहकारिता आयुक्त एवं राज्य सहकारी संघ की सराहना करते हुए कहा कि ऋण वसूली प्रबंध पर बहुत ही उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है इससे प्रबंधकों को मदद मिलेगी तथा नियमों की विस्तार से जानकारी प्राप्त होगी।

प्रशिक्षण देते हुए म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के प्राचार्य पी.डी. गावशिन्दे द्वारा वसूली प्रबंधन, राष्ट्रीय आय, फसल चक्र, ऋण वितरण वसूली, ऋणी किसानों पर दावे दायर करना, सहकारी अधिनियम की धारा 84, 64, 84 (क) 85, 68 आदि की जानकारी देते हुए प्रकरण के निष्पादन, कुर्की, संपत्ति की डिक्री–निलामी आदि प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उक्त प्रशिक्षण वर्ग में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के समस्त शाखा प्रबंधक एवं बिक्री अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में सहकारिता विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों को आडिट विषय पर प्रशिक्षण प्राचार्य पी.डी. गावशिन्दे द्वारा देते हुए अधिनियम की धारा 58, 59, 60, 53, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75 आदि की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रभारी उपायुक्त सहकारिता श्री के.सी. मोदी सहित अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन निरंजन कसारा व्याख्याता म.प्र. राज्य सहकारी संघ भोपाल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बैंक के अधिकारियों/कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

वसूली एवं अंकेक्षण प्रक्रिया में प्रशिक्षण सम्पन्न

मण्डला। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, मण्डला में दिनांक 27 फरवरी 2017 को सहकारिता विभाग के कार्यपालिका अधिकारियों एवं बैंक में शाखा प्रबंधकों के लिये वसूली एवं अंकेक्षण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। वसूली प्रबंध प्रशिक्षण में डिक्री प्राप्त करने की प्रारंभिक तैयारी, दावा लगाने का तरीका, सूचना पत्र की तामीली, सहायक पंजीयक द्वारा निर्णय तथा प्रभार परिवर्तन अधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्यवाही बताई गई। सत्र के द्वितीय चरण में सहकारिता विभाग के उप अंकेक्षक, निरीक्षक, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक तथा अंकेक्षण अधिकारियों को सहायक आयुक्त की उपस्थिति में अंकेक्षण प्रक्रिया विस्तार पूर्वक बताई गई।

द्वितीय दिवस दिनांक 28 फरवरी 2017 को मण्डला जिले के समस्त समिति प्रबंधकों को ऋणों की वसूली करने हेतु दायित्व बोध कराते हुये म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम की धारा 84, 84क तथा धारा 85 एवं नियम 61 से 75 तक के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुवे वसूली के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण एस.के. चतुर्वेदी व्याख्याता तथा व्ही.के. बर्वे, व्याख्याता, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा दिया गया। प्रशिक्षणों में मण्डला जिले के सहायक आयुक्त, सहकारिता श्री आलोक कुमार दुबे एवं सहकारी बैंक के महाप्रबंधक एस.के. जैन द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

सेबी मुंबई के तत्वावधान में कृषि उत्पाद के वायदा बाजार पर किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन आईसीएम में होगा

सहकारी प्रबन्ध संस्थान की 88 वी प्रबन्ध समिति की बैठक सम्पन्न

भोपाल। सहकारी प्रबन्ध संस्थान की 88 वी प्रबन्ध समिति की बैठक दिनांक 6 मार्च, 2017 को श्री अरुण सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता विभाग में श्री ए.के.दीक्षित, म.प्र.राज्य सहकारी विपणन संघ से महाप्रबन्धक, श्री बी.एस खेडेकर, महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र. महिला सशक्तीकरण से सहायक संचालक श्रीमती रेहाना रहीम, म. प्र. राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ से श्री संजय मोर्य प्रबन्धक एवं विशेष आमंत्रित के रुप में श्रीमती आशा सिंह सेंगर, श्री रामबाबू अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम विभाग से उपस्थित श्री ए.के. दीक्षित , अपर आयुक्त का अध्यक्ष महोदय व्दारा सहकारिता विभाग व्दारा 10,77,000 नये सदस्य जोडने की उपलब्धि पर सम्मानित किया। बैठक में महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विचार बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए निर्णय लिये गये।

साथ ही बैठक में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों से सदस्यों को अवगत कराया गया। इस वर्ष सेबी मुंबई व्दारा कृषि उत्पाद के वायदा बाजार पर मध्यप्रदेश के किसानों के लिए जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन करने हेतु संस्थान का चयन किया गया। सेबी व्दारा चयनित अन्य संस्थाओं में प्रमुखत आय.आय. एम अहमदाबाद, आय.आय.एम कलकता, नाबार्ड, मैनेज जैसी संस्थाएँ है जिसमे एक संस्था सहकारी प्रबन्ध संस्थान हैं। दूसरी उपलब्धि नवनियुक्त सहायक आयुक्तो को 9 जनवरी से 11 फरवरी 2017 तक को प्रशिक्षित किया गया।

इसके अलावा संस्थान में 27 फरवरी 2017 से डी.जी.आर. कार्यक्रम प्रारंभ हुआ हैं जिसमें प्रथम बार भूटान रॉयल ऑर्मी एवं भूटॉन रॉयल गार्ड के 10 प्रतिभागी उपस्थित हुए हैं ।

बैठक में संस्थान के आगामी वर्ष 2017–18 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्वीकृति देते हुए संस्थान के बजट एवं 2016–17 के आय व्यय को स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही संस्थान की आडिट रिपोर्ट का भी अवलोकन करते हुए अनुमोदन किया गया। अन्त में अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए बैठक समाप्ति की गई

वसूली एवं अंकेक्षण प्रक्रिया में प्रशिक्षण सम्पन्न

डिण्डोरी।कार्यालय सहायक आयुक्त सहकारिता जिला डिण्डोरी में दिनांक 1 मार्च 2017 को सहकारिता विभाग के कार्यपालिका अधिकारियों एवं बैंक से संबंधित सहकारी समितियों के प्रबंधको के लिये वसूली एवं अंकेक्षण प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम की धारा 84, 84क तथा धारा 85 एवं नियम 61 से 75 तक के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुवे वसूली के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई।

वसूली प्रबंध प्रशिक्षण में डिक्री प्राप्त करने की प्रारंभिक तैयारी, दावा लगाने का तरीका, सूचना पत्र की तामीली, सहायक पंजीयक द्वारा निर्णय तथा प्रभार परिवर्तन अधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्यवाही बताई गई।सहकारिता विभाग के उप अंकेक्षक निरीक्षक, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक तथा अंकेक्षण अधिकारियों को प्रशिक्षण सहायक आयुक्त, सहकारिता डिण्डोरी की उपस्थिति में दिया गया। प्रशिक्षण श्री एस.के. चतुर्वेदी व्याख्याता तथा श्री व्ही.के. बर्वे, व्याख्याता, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा दिया गया एवं अंकेक्षण प्रक्रिया विस्तार पूर्वक बताई गई।।डिण्डोरी जिले के समस्त समिति प्रबंधकों को ऋणों की वसूली करने हेतु दायित्व बोध कराते हुए प्रशिक्षण में डिण्डोरी जिले के सहायक आयुक्त सहकारिता श्री जी.पी. कान्ड्रा एवं समस्त लेम्पस प्रबंधकों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

ऑडिट एवं वसूली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

खण्डवा। म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या., खण्डवा के सभागृह में वसूली प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 2.3.17 को आयोजित किया गया। प्रथम चरण में वसूली एवं बिक्री अधिकारियों को वसूली प्रबंध पर आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गांवशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए. के. जैन ने किया तथा बैंक के मुख्य पर्यवेक्षक श्री गजेन्द्र अत्रे एवं श्री पंवार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सत्र के द्वितीय चरण का आयोजन जिला सहकारी संघ, खण्डवा के सभागृह में हुआ। जिसमें बुरहानपुर व खण्डवा जिले के विभागीय अधिकारियो को ऑडिट विषय पर श्री पी. डी. गांवशिंदे, प्राचार्य ने प्रशिक्षण प्रदान किया। सत्र को श्रीमती मीना डाबर, उप आयुक्त सहकारिता जिला खण्डवा ने भी संबोधित किया। संचालन जिला सहकारी संघ, खण्डवा के प्रबंधक श्री मेहताबसिंह भदौरिया द्वारा किया गया। दिनांक 3.3.17 को बैंक सभागृह में पेक्स प्रबंधकों हेतु वसूली प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गांवशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया। अंत में आभार श्री शिरीष पुरोहित द्वारा व्यक्त किया गया।

मूंग एवं उड़द की खेती कर कमायें अधिक लाभ

कटनी उपसंचालक कृषि ने रबी कटाई कर चुके किसानों को सलाह देते हुये कहा है कि ग्रीष्म कालीन मौसम सिंचाई की उचित व्यवस्था होने पर मूँग और उड़द की खेती कर अधिक लाभ कमा सकते हैं। ग्रीष्मकालीन मौसम के लिये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में प्रदर्शन के लिये सूरज धारा योजना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों हेतु एवं बीज ग्राम योजना में सभी वर्ग के किसानों के लिये मूँग और उड़द बीज का भण्डारण सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में किया गया है। पहले आयें, पहले पायें के आधार पर विकासखण्डों से ये बीच प्राप्त किये जा सकते हैं।

प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकों के लिये वसूली प्रबंध में प्रशिक्षण

विदिशा। म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा दिनांक 03.03.2017 को विदिशा जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संसथाओं के प्रबंधकों के लिये वसूली प्रबंधक प्रक्रिया पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या., विदिशा के सभा कक्ष में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का शुभांरभ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष माननीय श्री श्यामसुन्दर शर्मा द्वारा किया गया एवं अपने सम्बोधन में वसूली प्रंधक की सतत प्रक्रिया पर वैधानिक कार्यवाही करने संबंधी निर्देशों से समिति प्रबंधकों को अवगत कराया एवं अधिक से अधिक वसूली कर संस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोग की अपेक्षा की। प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित किया गया जिसमें जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सहायक मुख्य पर्यवेक्षक श्री भगवान सिंह सोलंकी द्वारा वसूली प्रबंध पर वैधानिक प्रक्रिया से अवगत कराया।

प्रशिक्षण यत्र का संचालन एवं उद्बोधन म. प्र. राज्य सहकारी संघ के व्याख्याता श्री ए.के. जोशी एवं प्रशिक्षक श्री व्ही.के. मिश्रा द्वारा किया गया।

महिला अंर्तराष्ट्रीय दिवस पर नेपाली महिला संगठन का प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल। दिनांक 8.3.2017 को महिला अंर्तराष्ट्रीय दिवस पर नेपाली महिला संगठन द्वारा भोपाल में स्थित चिनार पार्क में महिला सशक्तिकरण पर विचार गोष्टी/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सीता पौडल, उपाध्यक्ष श्रीमती दाना पाण्डे केन्द्रीय सचिव श्रीमती बालूका बलवास उपस्थित रही।

प्रशिक्षण/विचार गोष्टी में सदस्यों द्वारा वर्तमान में महिलाओं को पुरूष एवं महिलाओं में भेदभाव मिटाकर महिलाओं को अच्छी शिक्षा एवं समाज में उच्च स्थान दिये जाने पर प्रभावी सम्बोधन दिया। म. प्र. राज्य सहकारी संघ की ओर से प्रशिक्षण में व्याख्याता श्री ए. के. जोशी द्वारा महिलाओं के लिये सहकारी नवाचार पर व्याख्यान देते हुए महिलाओं के लिये सिलाई कढ़ाई एवं डिजाईनिंग कपड़ों के निर्माण हेतु सहकारी समिति के गठन एवं उसकी कार्य प्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विष्णू भटराई द्वारा किया गया।

जिला सहकारी संघ मर्यादित, सीहोर ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सीहोर। जिला सहकारी संघ मर्यादित, सीहोर के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2017 को महिला सहकारी संगोष्ठी का आयोजन श्रीमती उर्मिला मरेठा, जिला पंचायत अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में श्रीमती उषा सक्सेना, अध्यक्ष, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, सीहोर की अध्यक्षता में श्रीमती वीणा व्यास, अध्यक्ष सीहोर नागरिक सहकारी बैंक मर्या., श्रीमती संगीता वर्मा, संचालक, विपणन सहकारी संस्था, श्रीमती रितु सक्सेना, संचालक, जिला सहकारी संघ , श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती प्रभा पालीवाल, श्रीमती अल्का पर्यवेक्षक महिला बाल विकास सीहोर, श्रीमती कीर्ति जी के विशेष अतिथियों तथा धरम सिंह वर्मा, अध्यक्ष, जिला सहकारी संघ मर्यादित, सीहोर द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अतिथियों का स्वागत श्री धरमसिंह वर्मा, अध्यक्ष, जिला सहकारी संघ, श्री देवेन्द्र सक्सेना, प्रहलाद सिंह, अमर सिंह, संचालक, तेजसिंह ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा शाल एवं पुष्पगुच्छ भेटकर किया गया। श्रीमती सावित्री वर्मा, सीमा वर्मा, लीलाबाई द्वारा अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया।

श्री धरमसिंह वर्मा अध्यक्ष द्वारा उद्बोधन द्वारा अतिथियों एवं प्राथमिक दुग्ध सेवा सहकारी समिति की महिला पदाधिकारियों का स्वागत किया और कहा कि सहकारिता से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़े। नई–नई प्रकार की सहकारी समितियों का गठन कर महिलाओं को आत्म निर्भर बनाएं।

श्रीमती उर्मिला मरेठा एवं श्रीमती उषा सक्सेना व श्रीमती वर्मा द्वारा इस अवसर पर बुजुर्ग महिलाओं का शाल एवं पुष्पगुच्छ भेटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक दुग्ध/सेवा समिति ग्राम निपानियाकलां, कांकड़खोड़ा, लालाखेड़ी, कादमपुर, धामन्दा, चितावलिया, लाखा, उल्झावन, भलेंदी आदि ग्रामों की महिलाओं की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों एवं सभी ग्रामों से पधारी महिला सदस्यों के प्रति तेजसिंह ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में अर्जुन कुमार विजय रामनारायण चौधरी, तेजसिंह वर्मा, रमेश कुमार का विशेष सहयोग रहा।

एकीकृत सहकारी विकास परियोजना द्वारा कार्यशाला आयोजित

पन्ना। एकीकृत सहकारी विकास परियोजना पन्ना के तत्वाधान में एक दिवसीय सहकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, मछली पालन, बीज उत्पादक, विपणन सहकारी समिति, जिला थोक उपभोक्ता सहकारी भण्डार, प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार, महिला बहुउद्देशीय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जिला सहकारी संघ के प्रबंधक तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में म.प्र राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के राज्य सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सुधीर कुमार जैन ने एकीकृत सहकारी विकास परियोजना के माध्यम से संस्थाओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता का विवरण देते हुए बताया की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से गोदाम निर्माण, सोसायटी, रेपरिंग, फर्नीचर, कम्प्यूटर प्रिंटर, आफीस मरम्मत, मार्जिन मनी हेतु 631.50 लाख का वित्तीय प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार प्राथमिक विपणन संस्थाओं हेतु 4.80 लाख, बीज उत्पादक समितियों के लिए 4.40 लाख, प्राथमिक उपभोक्ता भंडारों के लिए 2.64 लाख, दुग्ध संघ शीत केन्द्र 130.60 लाख, मलि बहुउद्देशीय 6 लाख, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक आधुनिकीकरण 127.40 लाख की वित्तीय सहायता 2016–17 के लिए स्वीकृत की गई है, साथ ही संस्था द्वारा तैयार किये जाने वाले प्रस्ताव आवेदन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक एकीकृत सहकारी विकास परियोजना पन्ना श्रीमती दीप्ति वनवासी, शाखा प्रबंधक अमित श्रीवास्तव, राजेन्द्र मिश्रा, राजेन्द्र खरे, मानवेन्द्र सिंह, योगेश पाण्डेय, प्रबंधक, जिला सहकारी संघ पन्ना, गणेश प्रसाद मांझी व्याख्याता, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव एवं जिले के विभिन्न सहकारी संस्थाओं लगभग 150 प्रबंधकों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री रोजगार योजना के अंतर्गत युवाओं को दिया जायेगा 25 लाख रुपये तक का ऋण

इंदौर। रोजगार से जोड़ने के लिये युवाओं को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत उद्योग– व्यवसाय स्थापना के लिये 25 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिये इच्छुक युवा ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि यह आवेदन–पत्र एमपी ऑनलाइन के माध्यम से जमा किये जा सकते हैं।

उज्जैन में वसूली प्रबंध एवं अंकेक्षण पर एक प्रशिक्षण

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा उज्जैन में अंकेक्षण व वसूली पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण श्री पी.डी. गांवशिंदे दिया।

सहकारिता और लघु उद्यम

लघु उद्यम महिला सशक्तता का ऐसा मूल मंत्र है जो उसके भीतर छिपे हुनर से उसकी जिंदगी की तस्वीर बदल सकता है। शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु अनेक स्वावलंबी योजनाऐं संचालित की जा रही है, उनका लाभ लेने के लिए हमको सक्रिय होना होगा। हमको जागरूक होना होगा। हमें प्रयासरत होना होगा। हमें मानसिक रूप से अपने अपको तैयार करना होगा। समाज में सहयोगी हाथों की कमी नहीं है, हमें घर से निकलकर उन्हें पहचानना होगा।

लघु उद्यम महिला सशक्तता का ऐसा मूल मंत्र है जो उसके भीतर छिपे हुनर से उसकी जिंदगी की तस्वीर बदल सकता है। सवाल सिर्फ नल नील और वीर हनुमान की तरह अपनी शक्ति पहचानने का सवाल है। जैसे पत्थर के भीतर आग और बर्फ के भीतर पानी का सागर समाहित होता है। ठीक वैसे ही महिलाओं के भीतर भी कोई न कोई हुनर का अंकुर अवश्य छिपा होता है।

लघु उद्यम सम्भावना मात्र नहीं बल्कि सपने के बाहर का सच है। ऐसे तमाम उदाहरण है जिन्होंने साधारण सी स्त्री को विश्व स्तर का उद्यमी बना दिया। सौंदर्य जगत में शहनाज हुसैन ऐसा नाम है जिन्होंने भारत के कोने कोने से प्राप्त जड़ी बूटियों को लेकर छोटा सा व्यवसाय शुरू किया और अपार सफलताओं के साथ सौंदर्य जगत में शीर्ष पर कीर्तिमान स्थापित किया।

फैशन के आकाश पर चमकता दिखाई देनेवाला सितारा आशिमा लीना सिंह ने एक सिलाई मशीन से कपड़े सिलने की शुरूआत की थी। लेकिन आज फैशन की दुनियां में तहलका मचा दिया। वह साधारण सी महिला लघु उद्यम के बल पर ही ग्लैमर की दुनियां में स्थापित हो चुकी है।ऐसी एक या दो बहिनें नहीं हजारों बहिनें है जिन्होंने न सिर्फ खुद को स्थापित किया है बल्कि लघु उद्यम इकाइयों को स्थापित कर हजारों हजारों बहिनों भाइयों को काम दिया। सफलता की ये कहानियां प्रेरणा का स्रोत है। लेकिन सफलता के बिन्दु तक पहुंचने के लिए कुछ जानकारियां बहुत आवश्यक है।

अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि उत्पादन के लिए किया गया श्रम कारगर होता है, और उत्पादन के लिए किया गया श्रम हमारा रिश्ता प्रकृति से बनाता है, उत्पादन हमें स्वाबलंबन की ओर ले जाता है। गांधी जी ने भी पारिस्थितिजन्य स्थिति में स्वदेशी का नारा देकर चर्खा और सूत की अवधारणा को सामने रखा था ताकि हम भारतवासी आत्म निर्भर हो सकें। लेकिन मात्र कपड़ा ही हमारी जरूरतें पूरी नहीं करता बल्कि आज बैश्वीकरण की दौड़ में हमारे सामने तमाम जरूरतें मुंह बाए खड़ी है।

इन परिस्थितियों में हमें सबसे पहले अपने हुनर, रूचि, स्थानीय उपलब्ध संसाधन और स्थानीय बाजार की आवश्यकता को आंकने की जरूरत है, समान विचारधारा के अपने कुछ साथी मित्रों की पहचान आवश्यक है। एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण भी जरूरी है जिसके लिए हाथ करघा सचालनालय, रेशम संचालनालय, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, हस्तशिल्प विकास निगम, चर्म विकास निगम, बुनकर सहकारी संघ, लघु उद्योग विभाग, जनपद व जिला पंचायत विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जन शिक्षण संस्थान, डीपीआईपी योजना, राज्य सहकारी संघ, कैन्द्रीय बैंकों और अन्य निजी प्रशिक्षण संस्थानों से सम्पर्क किया जा सकता है। ये समस्त संस्थान (शासकीय व अर्द्धशासकीय) अल्प कालीन व दीर्घ कालीन व्यावसायिक एवं प्रबंधकीय प्रशिक्षण आयोजित करते है। जिनमें प्रशिक्षण हेतु महिला प्रतिभागियों का स्थान आरक्षित होता है। उपरोक्त विभागों एवं संस्थानों से व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहयोग हेतु सम्पर्क किया जा सकता है।

लगभग 800 से 900 लघु उद्यमों को ग्रामोद्योग विभाग द्वारा श्रेणीबद्ध किया गया है। जिनमें अचार–चटनी, मुरब्बा बनाना, कढ़ाई बुनाई सिलाई, जिल्दसाजी, क्रोशिया, सूतली के बैग, रस्सी के हस्तशिल्प, जूट बैग ,फाइल कवर, चॉक मोमबत्ती, अगरबत्ती, बनाना, खान पान व्यंजन, औषधी पौधे और जड़ी बूटी संग्रहण और प्रोसेसिंग, नर्सरी, बागवानी, अनाज पैकिंग, पापड़ बड़ी, सर्फ साबुन, सैम्पू इत्यादि निर्माण, संगीत, डांस, सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी, हाउस कीपिंग, जैसे अनेक कार्य लघु उद्योग इकाई के रूप में आरंभ किए जा सकते है। इन उद्योगों में अपार संभावनाऐं है, जिसमें आपकी पसंद और संसाधन को तरजीह मिलती है।

देश के किसी कोने में सीपी, मोती, रस्सी उपलब्ध है तो कहीं सुतली, बांस, तूली रेशम का खजाना है। कहीं आम है तो कहीं सेव अंगूर के संसाधन। कही मोम, रबर, और कपास का भण्डार है तो कहीं जड़ी बूटियों का। कहीं तिलहन, दलहन की भरमार है तो कहीं गन्ना और धान की। अब सवाल आपके हुनर और रूचि का है। शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु अनेक स्वावलंबी योजनाऐं संचालित की जा रही है, उनका लाभ लेने के लिए हमको सक्रिय होना होगा। हमको जागरूक होना होगा। हमें प्रयासरत होना होगा। हमें मानसिक रूप से अपने अपको तैयार करना होगा। समाज में सहयोगी हाथों की कमी नहीं है, हमें घर से निकलकर उन्हें पहचानना होगा। इस तरह हम अपने सतत् प्रयासों से अचार उद्यमी बन सकते है, फेशन विशेषज्ञ बन सकते है, बैग निर्माता बन सकते है। हम खुद सीख कर तमाम घरेलू महिलाओं के हुनर का उपयोग कर बड़े उद्यमी बन सकते है। समाज के साथ साथ राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। इसके लिए सहकारी आंदोलन पग पग पर सहयोगी की भूमिका निभाएगा।

वसूली प्रबंध एवं अंकेक्षण पर एक प्रशिक्षण

विदिशा। म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा सहकारिता विभाग के अंकेक्षण अधिकरी एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या., विदिशा के वसूली अधिकारी एवं बिक्री अधिकारियों को अंकेक्षण एवं वसूली प्रबंध प्रक्रिया पर दिनांक 02.03.2017 को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या., विदिशा के सभा कक्ष में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का शुभांरभ अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक माननीय श्री श्यामसुन्दर शर्मा एवं उपायुक्त सहकारिता श्री ए.के. सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वसूली प्रक्रिया पर वसूली अधिकारी श्री सुरेश बरकड़े एवं सहायक मुख्य पर्यवेक्षक भगवान सिंह सोलंकी द्वारा संबोधित किया। अंकेक्षण प्रक्रिया पर वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक श्री रामसिंह द्वारा अंकेक्षकों को अवगत कराया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय प्रकाश सिंह ने प्रतिभागियों को वैधानिक वसूली प्रक्रिया क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तरा एवं कठिनाईयों का निराकरण किया। प्रशिक्षण का संचालन श्री ए.के. जोशी, व्याख्याता भोपाल एवं श्री व्ही.के. मिश्रा प्रशिक्षक म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा किया गया।

76 करोड़ 81 लाख रुपये के हितलाभों का वितरण

मुख्यमंत्री श्री चौहान उमरिया जिले के नौरोजाबाद में अंत्योदय-हितग्राही सम्मेलन में

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश की ऐसी सभी विधवा महिलाओं को जो किसी भी सेवा में नहीं है उन्हें पेंशन दी जायेगी। उन्होंने कहा कि पेंशन राशि वितरण में गरीबी रेखा का बंधन नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई प्रतिभावान छात्र पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के छात्रों की इंजीनियरिंग मेडिकल, आईआईटी, आईआईएम जैसे महँगे पाठयक्रमों की शिक्षा के लिए बजट में 500 करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज उमरिया जिले के नौरोजाबाद में अन्त्योदय मेले एवं हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में सालों से काबिज लोगों को मकान का स्थाई पट्टा दिया जायेगा वहीं गरीबों को मकान बनाने के लिए राशि भी मुहैया करवाई जायेगी । उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जिस भी व्यक्ति ने जन्म लिया है उसका आशियाना होगा ताकि वह परिवार सहित सुखी जीवन व्यतीत कर सके । मुख्यमंत्री ने बताया कि आदिवासी अधिकार यात्रा आदिवासियों की भूमि पर अवैध कब्जों को हटाया जायेगा तथा आदिवासियों को उनकी भूमि पर काबिज किया जायेगा ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 का साल गरीब कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। इस वर्ष प्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार सबसे पहले गरीबों की सरकार है। गरीबों के आँखों में कभी आँसू नहीं आने दूँगा। मैं उनके सुख दुख में सदैव भागीदार रहा हूँ और रहूँगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। मध्यप्रदेश में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से सीधे जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नौरोजाबाद नगर में सालों से काबिज 1500 परिवारों को आज स्थायी पट्टे मुहैया करवाये जा रहे हैं । नौरोजाबाद नगर की पेयजल की समस्या के निराकरण के लिए 18 करोड़ रूपये की राशि मुहैया कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौरोजाबाद नगरपालिका क्षेत्र में गरीब परिवारों के लिए 200 मकान बनाये जायेंगे। इसके लिए 10 करोड की राशि नगरपालिका को मुहैया करा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने मेले में 17 हजार 743 हितग्राहियों को 76 करोड़ 81 लाख की राशि के हितलाभों का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने लगभग 82 करोड रूपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

सम्मेलन में प्रभारी मंत्री श्री ओमप्रकाश धुर्वे, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय पाठक, अध्यक्ष नगरपालिका नौरोजाबाद श्रीमती सुमन गौटिया, बड़ी संख्या में हितग्राही और नागरिक उपस्थित थे ।

डिजिटल पेमेंट्स में वृद्धि के लिए मिशन गठित

भोपाल। राज्य स्तर पर वित्त विभाग के अधीन डिजिटल पेमेंट्स में वृद्धि/कैशलेस के लिए राज्य शासन द्वारा मिशन का गठन किया गया है। मिशन के संचालन की जिम्मेदारी संचालन समिति की होगी।

यह मिशन प्रदेश में विविध माध्यमों से प्रशिक्षण के लिए की गई व्यवस्था की समीक्षा तथा मॉनिटरिंग का काम करेगी। बैंकों द्वारा आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा भी मिशन द्वारा की जायेगी। इसके अतिरिक्त टेलीकॉम कम्पनियों के साथ समन्वय करते हुए कनेक्टिविटी के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं डाटा की समीक्षा और मॉनिटरिंग मिशन द्वारा की जायेगी। राज्य शासन द्वारा गठित समिति के प्रतिवेदन पर विभागों द्वारा की गई कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा, प्रदेश में आवश्यकतानुसार पी.ओ.एस. मशीन की उपलब्धता तथा जनसम्पर्क विभाग द्वारा डिजिटल पेमेंटस को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार की व्यवस्था की समीक्षा का कार्य भी मिशन द्वारा किया जायेगा।

अपर मुख्य सचिव वित्त को मिशन प्रमुख मनोनीत किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, अपर मुख्य सचिव श्रम, प्रमुख सचिव/ सचिव, वाणिज्यिक कर, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, संस्कृति, आयुष, चिकित्सा शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास, नगरीय विकास एवं आवास, सहकारिता, लोक निर्माण, जनसम्पर्क, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पर्यटन और आयुक्त कोष एवं लेखा संचालन समिति के सदस्य होंगे।

आयुक्त-सह-संचालक संस्थागत वित्त को मिशन निदेशक तथा संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति मध्यप्रदेश को सदस्य सचिव बनाया गया है। मिशन की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना

भोपाल पर्यावरण मंत्री श्री अन्तर सिंह आर्य ने सभी विधायकों से मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में जोड़ों को दो-दो फलदार वृक्षों के पौधे देने का अनुरोध किया है। श्री आर्य ने इस संबंध में विधायकों को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि यह कदम पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

श्री आर्य ने पत्र में लिखा है कि यह निर्णय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार लिया गया है।

पी.जी.डी.सी.ए. मात्र 9100/-
डी.सी.ए. मात्र 8100/-
न्यूनतम योग्यता पी.जी.डी.सी.ए.
स्नातक एवं डी.सी.ए.-बारहवीं (10+2)

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा संचालित
सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध
प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल
(माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध)
ई-8/77 शाहपुरा, त्रिलंगा, भोपाल (म.प्र.) पिनकोड-462 039
फोन.-0755 2725518, 2726160 फेक्स-0755 2726160
Email: rajyasanghbpl@yahoo.co.in,ccmtcbpl@rediffmail.com

तीन लाख गरीबों के खाते में आवास की राशि पहुंची
महिलाओं को सशक्त बनाने सरकार हर कदम उठायेगी

सागर जिले के गढ़ाकोटा में रहस महोत्सव और महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गरीबों को आवास उपलब्ध करवाने के लिये इस माह 3 लाख गरीबों के खाते में आवास निर्माण की राशि जारी की गयी है। अगले छह माह में 6लाख और आवासों की राशि दी जायेगी। श्री चौहान सागर जिले के गढ़ाकोटा में रहस महोत्सव और आजीविका जिला-स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सरकार हर वह कदम उठायेगी, जो उन्हें सशक्त और आत्म-निर्भर बनायें। राज्य सरकार महिला स्व-सहायता समूह को आगे बढ़ाने को आन्दोलन का रूप देगी। बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण सहायता मुहैया करवायी जायेगी, समूह के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इन समूहों के भाई-बहनों के पास कोई न कोई काम जरूर हो, ताकि बेरोजगारी मिट जायें। बहनों के पास पैसे आयेंगे तो वे सही अर्थों में आत्म-निर्भर होगी और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की मुद्रा बैंक योजना में ऋण दिलाया जायेगा। श्री चौहान ने बेटियों से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने बताया कि बैंक से लोन लेने पर सरकार गारंटी देगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोई भी गरीब प्रतिभावान छात्र पैसे की कमी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होगा। उन्होंने कहा गरीब परिवार के प्रतिभावान छात्रों को इंजीनियरिंग, मेडीकल, आईआईटी, आईआईएम जैसे महँगे पाठ्यक्रमों की शिक्षा के लिए सरकार ने बजट में प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हर भूमिहीन को मकान का स्थाई पट्टा दिया जायेगा। हर गरीब को आवास के लिये जमीन का प्रबंधन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण विकास आवास मिशन के जरिये हमारा लक्ष्य है कि किसी भी गरीब को बिना मकान के नहीं रहने दिया जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मौजूद बहनों से पूछा कि आवास का पैसा पंचायत के खाते में डाला जाना चाहिये या सीधे गरीब के खाते में, बहनों ने जोर से कहा हितग्राही के खाते में डाला जायें। उन्होंने कहा कि मासूम के साथ दुराचार करने वाले को फाँसी हो, इसका प्रावधान कर भारत सरकार को भेजा जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि माँ नर्मदा के तट पर बसे गाँव में आगामी वर्ष से शराब की दुकानें नहीं खोली जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार नशामुक्ति की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने सभी से इसमें सहयोग का आव्हान किया। श्री चौहान ने मौजूद लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे पूरे प्रदेश को नशामुक्ति की तरफ ले जाना है। यह तब होगा जब पीना छोड़ेंगें, गाँव-गाँव में नशामुक्ति सम्मेलन किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नगर पालिका, नगर निगम, पंचायतों में बहनों के लिए आधी सीटें आरक्षित कर दी गई हैं। अब प्रदेश में 56 प्रतिशत बहनें पंचायतों में विकास की भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग को छोड़कर अन्य विभाग में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा। सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए हर जरूरी कदम उठायेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सागर जिले में 78 हजार से ज्यादा परिवार स्व-सहायता समूह से जुड़ गये हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्व-सहायता समूह सक्रिय बने, कागजी न रहें। उन्होंने होशंगाबाद और बैतूल जिले के स्व-सहायता समूह का उल्लेख करते हुए कहा कि इन दो जिले के समूहों का वार्षिक टर्नओवर 300 करोड़ रूपये है, जबकि प्रदेश के अन्य सभी जिलों का टर्न ओवर मिलाकर 600 करोड़ है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि राज्य में आजीविका योजना शुरू की गई है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में लगातार काम रही है। उन्होंने फेसबुक इंडिया की महिलाओं के सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी सरकार सजग है और लगातार बहनों के विकास और आत्म-निर्भरता के लिए काम कर रही है। श्री भार्गव ने महिलाओं से परिवार में मद्यपान रोकने को कहा।

हर जिले में लगेंगे महिला रोजगार, स्व-रोजगार मेले

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल से प्रदेश के पहले महिला रोजगार मेले का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महिलाओं को रोजगार और स्व-रोजगार से जोड़ने के लिये हर जिले में महिला रोजगार, स्व-रोजगार मेलों का आयोजन किया जायेगा। वे आज भोपाल हाट में महिलाओं के लिये रोजगार, स्व-रोजगार मेले **स्वावलंबी महिला - सशक्त प्रदेश** का शुभारंभ कर रहे थे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर दिन माताओं, बहनों, बेटियों के सशक्तीकरण के लिये समर्पित होना चाहिये। । इसके लिये शिक्षा के साथ रोजगार जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेटियों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे। पढ़ाई का पूरा खर्चा सरकार उठायेगी। महिला सशक्तीकरण के लिये यह जरूरी है। बहनें अपने पैरों पर खड़ी हो। रोजगार के सारे मौके तलाश करेंगे। जो बहनें अपना काम शुरू करना चाहती हैं उन्हें सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जायेगा। रोजगार के लिये लोन वापसी की गारंटी सरकार देगी।

महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि महिलाओं के लिये रोजगार के कई अवसर है। उन्होंने कहा कि अपने परिवार के लिये आत्म-विश्वास के साथ अपना काम शुरू करना पड़ेगा। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अगले साल अपना रोजगार स्थापित करने वाली महिलाओं का सम्मेलन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने स्व-रोजगारी महिलाओं और कौशल उन्नयन कार्यक्रम में भाग लेने वाली रोजगार की इच्छुक महिलाओं को ऋण राशि एवं प्रमाण-पत्र वितरित किये। इस अवसर पर मध्यप्रदेश रोजगार निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष श्री हेमंत देशमुख, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्री जे. एन. कंसोटिया, कलेक्टर भोपाल श्री निशांत वरवड़े और बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित थी।

विशेष वजन अभियान अंतर्गत चिन्हित बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु

विशेष पोषण अभियान

- समुदाय में पोषण जागरुकता बढ़ाना
- स्थानीय उपलब्ध खाद्य सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देना
- कुपोषित बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण
- समुदाय में एनीमिया के प्रति जागरुकता बढ़ाना
- आँगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाना
- जिलास्तरीय कंट्रोल रुम की स्थापना
- साफ-सफाई, स्वच्छता आदतों को बढ़ावा देना
- आँगनवाड़ी केन्द्रों का सुचारु संचालन
- आँगनवाड़ी सहायिका से लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी तक उत्कृष्ट कार्य हेतु दीनदयाल पोषण पुरस्कार

विभाग के सतत् प्रयास

- पाँच साल से कम उम्र के हर बच्चे का वजन एवं वृद्धि निगरानी
- कम वजन व अति कम वजन के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए समुदाय की सहभागिता हेतु स्नेह सरोकार कार्यक्रम
- अति कम वजन के बच्चों के लिए समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन हेतु सुपोषण शिविरों का आयोजन
- गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र भेजना
- पोषण विविधता हेतु पोषण वाटिका
- समुदाय एवं अभिभावकों को जागरूक बनाना

'प.दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित मुख्यमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने की दिशा में, आइये महिलाओं और बच्चों के पोषण व स्वास्थ्य के लिए सब मिल सस्नेह प्रयास करें, जिद व जुनून के साथ।'

अर्चना चिटनिस
मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग
मध्यप्रदेश

ललिता यादव
राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग
मध्यप्रदेश

स्वस्थ्य-सुपोषित मध्यप्रदेश, हम सबकी जिम्मेदारी

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

http://www.mpwcd.nic.in
http://mpwcdmis.gov.in
http://esanchayika.in
https://www.facebook.com/ICDSMP

संचालनालय एकीकृत बाल विकास सेवा
महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश

D-80657/17

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा सांध्य प्रकाश लि.'सांध्यप्रकाश भवन' मालवीय नगर, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : दिनेशचंद्र शर्मा डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2015-17 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2725518, फैक्स : 0755-2726160 इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।